बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

पतरस और प्रार्थना की सामर्थ

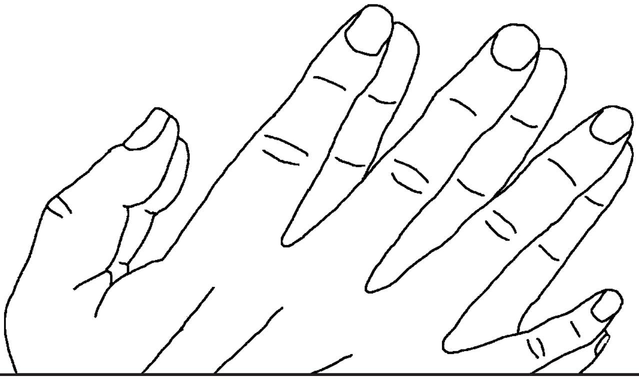

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest
Alastair Paterson
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

प्रेरित पतरस ने यीशु के बारे में दूसरों को बताने के लिए पूरे देश की यात्रा किया। एक दिन, लुद्दा नामक शहर में, एक ब्यक्ति की मुलाकात पतरस से हुई, वह आठ साल से बिस्तर में पड़ा था। "यीशु मसीह, तुम्हे चंगा करता है" पतरस ने कहा "उठ और अपने बिस्तर उठा" वह आदमी तुरंत उठ गया। जिन लोगों ने यह देखा सब परमेश्वर के तरफ मन फिराए।

याफा शहर में लोग बहुत ही दु: खी थे। एक दोरकास नामक मसीही औरत की मृत्यु हो गयी। अफसोस से उसके दोस्तों ने दफनाने के लिए उसके शरीर को तैयार कर उसे ऊपरी कमरे में रखा और एक साथ विलाप करने लगे।
3
जैसे ही दोरकास के 'मित्रों को यह पता चला की पतरस उनके क्षेत्र में था। पतरस को तुरंत याफा में आने के लिए उन्होंने निवेदन किया। जब वह ऊपरी कमरे में आया, बिधवाओं ने पतरस को दोरकास द्वारा बनाये अंगरखे और कपड़ों को दिखाया।
4
पतरस उन सब को बाहर भेजा, और नीचे घुटने पर आकर प्रार्थना की और उसने शरीर को पलटते हुवे कहा, "दोरकास उठो" और वह अपनी आँखें खोली, पतरस को देखी, और वह उठकर बैठ गयी।
5
फिर वह उसे उसके हाथ को दिया तथा उसे ऊपर उठाया; वह संतों (मसीहियों) और विधवाओं को बुलाया और उसे जिंदा प्रस्तुत किया। यह सब याफा भर में फ़ैल गया, और बहुतेरों ने प्रभु पर विश्वास किया।
6
पतरस याफा में लंबे समय के लिए समुद्र के किनारे एक घर में रूका। एक दिन पतरस प्रार्थना करने के लिए घर के शीर्ष पर गया। यदि वह शहर की ऊँची
दीवारों पर से देखता तो वह जान लेता की उसे खोजने के लिए तीन यात्री आ रहे थे।
7
ये लोग परमेश्वर का भय मानने वाले कुरनेलियुस नाम के एक रोमी सूबेदार के सेवक थे। कुरनेलियुस ने पतरस को खोजने के लिए अपने सेवकों को भेजा क्योंकि एक दूत ने एक दर्शन
में उसे बताया था। वह शमौन के साथ, जिनका घर समुद्र के किनारे है, जो चमड़े का धंधा करता है। वह तुम्हे बताएगा, की तुम्हे क्या करना चाहिए।
8

जब पतरस घर के ऊपरी हिस्से पर प्रार्थना कर रहा था, परमेश्वर ने उसे एक दर्शन दिखाया। वह एक महान चादर की तरह पृथ्वी की ओर कुछ उतरते देखा। उसनें उस चादर में बिभिन्न पशु और पक्षियों को देखा। पतरस उन्हें "अशुद्ध" कह सकता था। इसका मतलब यह है कि धार्मिक यहूदियों को उन्हें खाने के लिए अनुमति नहीं थी। अचानक, एक आवाज आयी "पतरस, उठ और उन्हें मार कर खाओ"।
9

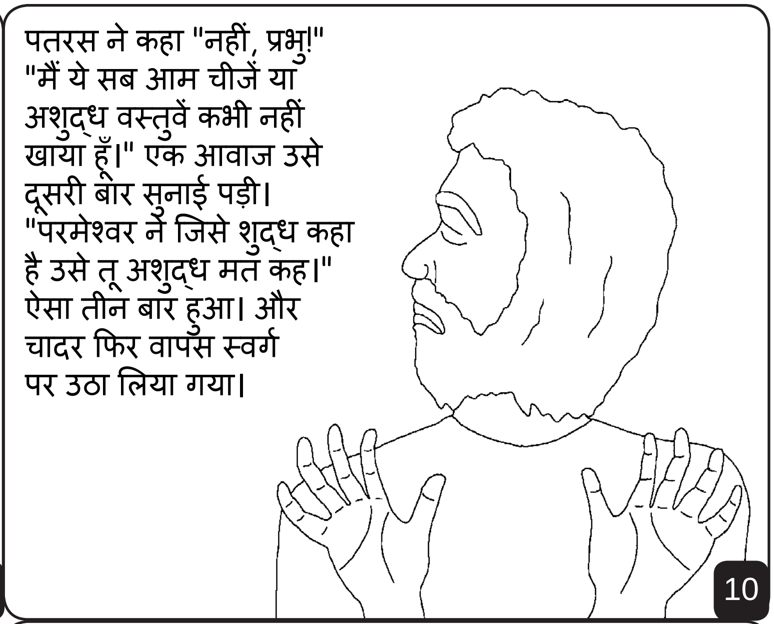
पतरस ने कहा "नहीं, प्रभु!"
"मैं ये सब आम चीजें या अशुद्ध वस्तुवें कभी नहीं खाया हूँ।" एक आवाज उसे दूसरी बार सुनाई पड़ी। "परमेश्वर ने जिसे शुद्ध कहा है उसे तू अशुद्ध मत कह।" ऐसा तीन बार हुआ। और चादर फिर वापस स्वर्ग पर उठा लिया गया।
10

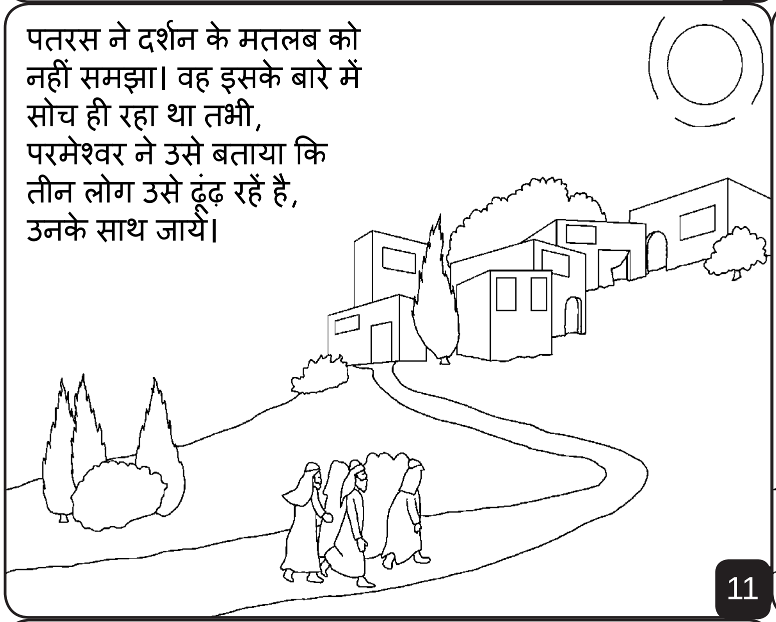
पतरस ने दर्शन के मतलब को नहीं समझा। वह इसके बारे में सोच ही रहा था तभी, परमेश्वर ने उसे बताया कि तीन लोग उसे ढूंढ़ रहें है, उनके साथ जाये।
11

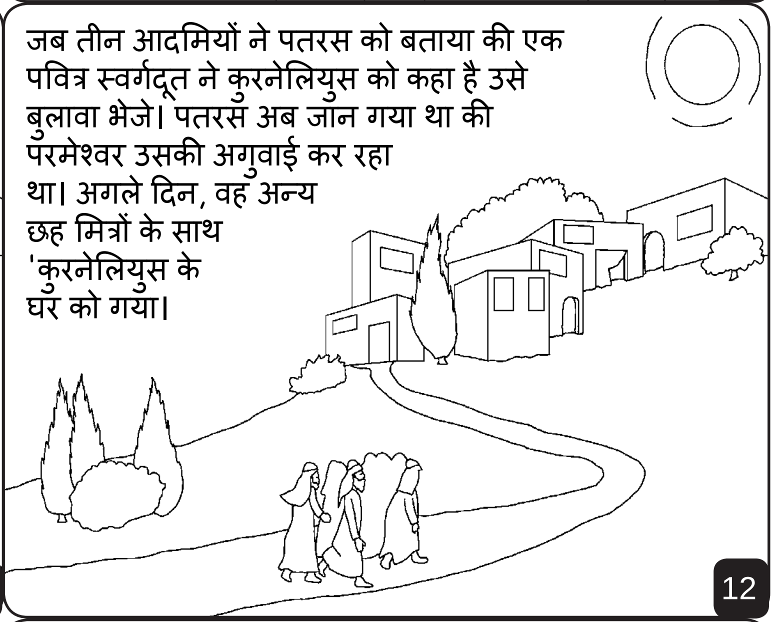
जब तीन आदमियों ने पतरस को बताया की एक पवित्र स्वर्गदूत ने कुरनेलियुस को कहा है उसे बुलावा भेजे। पतरस अब जान गया था की परमेश्वर उसकी अगुवाई कर रहा था। अगले दिन, वह अन्य छह मित्रों के साथ 'कुरनेलियुस के घर को गया।
12

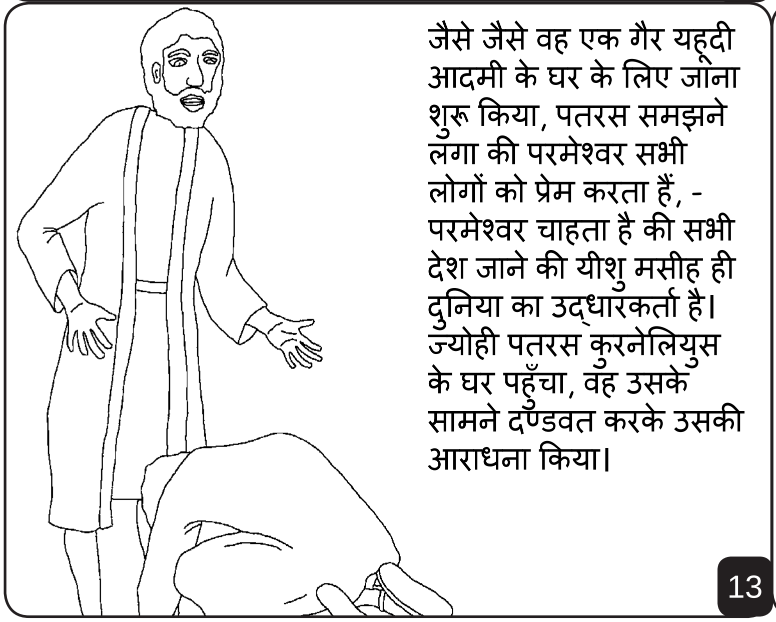
जैसे जैसे वह एक गैर यहूदी आदमी के घर के लिए जाना शुरू किया, पतरस समझने लगा की परमेश्वर सभी लोगों को प्रेम करता हैं, - परमेश्वर चाहता है की सभी देश जाने की यीशु मसीह ही दुनिया का उद्धारकर्ता है। ज्योही पतरस कुरनेलियुस के घर पहुँचा, वह उसके सामने दण्डवत करके उसकी आराधना किया।
13

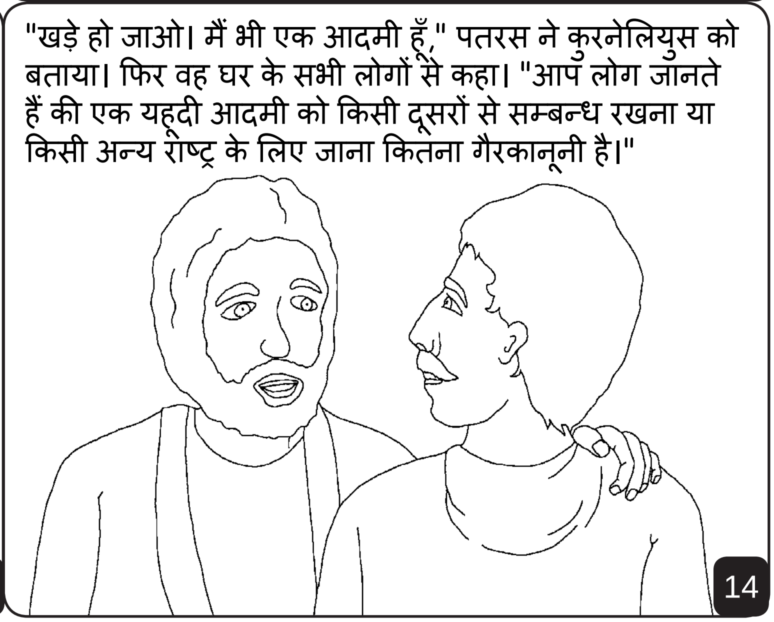
"खड़े हो जाओ। मैं भी एक आदमी हूँ," पतरस ने कुरनेलियुस को बताया। फिर वह घर के सभी लोगों से कहा। "आप लोग जानते हैं की एक यहूदी आदमी को किसी दूसरों से सम्बन्ध रखना या किसी अन्य राष्ट्र के लिए जाना कितना गैरकानूनी है।"
14

"लेकिन परमेश्वर ने मुझे बताया है की मैं अब किसी को भी अन्य या अशुद्ध करके न बुलाऊँ।"

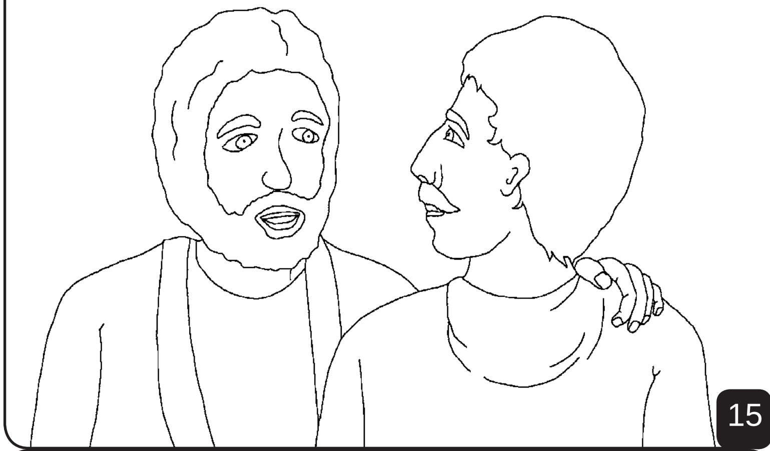

15

पतरस ने उन अन्य जातिंयों (गैर यहूदियों) को बताया की यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है; वह क्रूस पर मर गया और संसार का उद्धारकर्ता होने के लिए तीसरे दिन मुर्दों में से जी उठा। उसी घड़ी पवित्र आत्मा उन सब पर उतरा और वे परमेश्वर की स्तुति करने लगे। पतरस के छह यहूदी मित्र बेहद चकित थे। यह पिन्तेकुस्त के दिन की तरह था। पवित्र आत्मा का उपहार अन्यजातियों पर भी उंडेला गया था। तब पतरस ने नए विश्वासियों को बपतिस्मा दिया।

16

यरूशलेम में, मसीहियों ने अन्यजातियों के पास जाने से पतरस को डांटा। तब पतरस ने अपने दर्शन और कुरनेलियुस के बारे में जो प्रार्थना के समय प्राप्त किया था, को उन्हें बताया; इन बातों को सुनकर यरूशलेम के मसीही चुप हो गये। और वे परमेश्वर को महिमा दिये, जिसने उन्हें दर्शन और प्रार्थना के माध्यम से कलीसिया को सिखाया कि परमेश्वर सबसे प्रेम करता है।

17

पतरस और प्रार्थना की सामर्थ

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

प्रेरितों के काम 9-12

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

18

57

60

19

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16

20